Lost Found person

बिछुड़े हुये लापता व्यक्तियों को उनके परिवारों से मिलाने का एक सामाजिक प्रयास

Admin. : RAHUL SHARMA
Mobile : 9782279219
E-mail : contact@lostfoundperson.com
Website: www.lostfoundperson.com

क्रमांक : Lostfound/ 2017/ 138 दिनांक : 26 Aug. 2017

प्रेस – नोट

लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान की एक साथ तीन बड़ी सफलताऐं : देशव्यापी नेटवर्क का कमाल

राजस्थान में मिले व्यक्तियों के परिवार महज एक सप्ताह के भीतर पश्चिमी बंगाल, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में ढूंढ निकाले

जयपुर। बिछुड़े हुए व्यक्तियों को अपने परिवारों से मिलाने के लिए प्रयासरत लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान अपने देशव्यापी नेटवर्क के कारण निरन्तर अपने उद्देश्य मे सफल होता जा रहा है। अभी हाल ही में अपने देशव्यापी नेटवर्क के चलते अभियान ने एक साथ तीन बड़ी सफलताऐं प्राप्त की हैं।

अभियान के संस्थापक राहुल शर्मा ने बताया कि इस अभियान का शुभारंभ 8 अप्रैल, 2016 को किया गया था और इस अवधि में यह अभियान लगभग 80 व्यक्तियों को अपने परिवारों से मिला पाने में सफलता प्राप्त कर चुका है। इस अभियान को राजस्थान पुलिस एवं सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा भी अधिकृत किया गया है। शर्मा इन समस्त सफलताओं को श्रेय इस अभियान के देशव्यापी नेटवर्क से जुड़े हुए हजारों समर्पित देशवासियों को देते हैं, जिनके कारण यह अभियान निरन्तर बिछुडे हुए व्यक्तियों को उनके परिवारों से मिलाते हुए अपने उद्देश्य में सफल हो पा रहा है।

शर्मा ने बताया कि आधुनिक तकनीक एवं सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग करते हुए इस अभियान के माध्यम से पूरे देश को एक प्लेटफार्म पर लाना ही उनका उद्देश्य है, ताकि देश के किसी भी कोने से लापता व्यक्ति और किसी भी कोने में पाये गये लावारिस व्यक्ति का मिलान करके बिछुड़े हुए व्यक्तियों को परिवारों से मिलाया जा सके। उन्होंने देश की जनता द्वारा इस अभियान को दिये जा रहे असीम सहयोग के प्रति अपनी जबरदस्त खुशी जाहिर की।

- **यह है ताजा मामले**

1. एक 8 वर्षीय आखे नामक बालक 20 अगस्त को राजस्थान के सवाई माधोपुर रेल्वे स्टेशन पर लावारिस घूमता हुआ पाया गया था। अभियान के सदस्य और सवाई माधोपुर के समाजसेवी अरविन्द चौहान द्वारा बालक की काउंसिलिंग उपरान्त 21 अगस्त को यह मामला अभियान के ध्यान में लाया गया और इस अभियान के सदस्य

Address: "Jai Maa", S-2, Swapnlok Residency-II, 122-123, Ashok Nagar, Niwaru Road, Jhotwara, Jaipur (Rajasthan) - 302012

जबलपुर (मध्यप्रदेश) निवासी संदीप ताम्रकार एवं उज्जैन (मध्यप्रदेश) निवासी कुनाल ने अथक प्रयास करके महज 24 घंटे के भीतर इस बालक के परिवार को मध्यप्रदेश के उज्जैन शिप्रा नदी के पास ढूंढ निकाला।

2. एक अन्य 8 वर्षीय बालक साइदुल शेख 12 अगस्त को राजस्थान के सवाई माधोपुर रेल्वे स्टेशन पर लावारिस पाया गया। अभियान के सदस्य और सवाई माधोपुर निवासी समाजसेवी अरविन्द चौहान द्वारा 21 अगस्त को यह मामला अभियान के ध्यान में लाया गया और इसके उपरान्त अभियान से जुडे हुए कोलकाता (पश्चिमी बंगाल) निवासी श्रीगोपाल तापडिया एवं रामपुरहाट (पश्चिमी बंगाल) निवासी डालटन चटर्जी ने दिन रात एक करके महज 4 दिन में पश्चिमी बंगाल के रामपुरहाट में इस बालक का परिवार ढूंढ निकाला।
3. राजस्थान के बीकानेर में सड़क पर घायल अवस्था में पाये गये एक बुजुर्ग को बीकानेर निवासी दिनेश कुमार के सहयोग से अस्पताल में भर्ती कराया गया और प्रकरण को अभियान के ध्यान में लाया गयां। अभियान से जुडे हुए कोलकाता (पश्चिमी बंगाल) निवासी श्रीगोपाल तापडिया एवं ग्राम खपरी (जिला बलौदा, छत्तीसगढ़) निवासी पत्रकार हरिभूमि मुकेश झा ने सम्मिलित प्रयास करके महज 5 दिन में इस बुजुर्ग का परिवार छत्तीसगढ़ के गिधपुरी में खोज निकाला।

अभियान के संस्थापक राहुल शर्मा ने इन तीनों सफलताओं का श्रेय अभियान के देशव्यापी नेटवर्क को देते हुए इन तीनों प्रकरणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले श्रीगोपाल तापड़िया, डालटन चटर्जी, मुकेश झा, संदीप ताम्रकार, कुनाल, अरविन्द चौहान एवं दिनेश कुमार का विशेष आभार व्यक्त किया। उनके अनुसार यह अभियान के देशव्यापी नेटवर्क और समर्पित सहयोगियों का ही कमाल है, जिसके कारण हजारों किलोमीटर दूर भी बिछुड़े हुए व्यक्तियों के परिवार तलाशे जा सके हैं। शीघ्र ही औपचारिकताओं की पूर्ति उपरान्त इन सभी व्यक्तियों को उनके परिवारों के सुपुर्द किया जायेगा।

- **ऐसे जुड़ें अभियान से**

अभियान से जुड़ने के इच्छुक व्यक्ति शर्मा के व्हाट्सएप नम्बर 9782279219 पर संपर्क स्थापित करके अभियान के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ सकते हैं। इसके अलावा अभियान की वेबसाइट पर जाकर स्वयं को वॉल्युन्टीयर के रूप से रजिस्टर कर सकते हैं तथा अभियान के फेसबुक ग्रुप व ट्विटर अकाउन्ट को फॉलो कर सकते हैं। फेसबुक ग्रुप व ट्विटर अकाउन्ट का लिंक वेबसाइट के होम पेज पर दिया गया है। यह अभियान राजस्थान पुलिस तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार से अधिकृत है और अभी तक लगभग 80 बिछुड़े हुए व्यक्तियों को उनके परिवारों से मिला पाने में सफलता प्राप्त कर चुका है।